Popular Front of India

G-78,2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindi Kunj, Noida Road, New Delhi- 110025
fb: https://www.facebook.com/PopularFrontofIndiaOfficial/ website: www.popularfrontindia.org
email: popularfrontmail@gmail.com Tel: 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

25 मई 2018
नई दिल्ली

तमिलनाडु पुलिस द्वारा फायरिंग सरकारी आतंकवाद का प्रदर्शन; न्यायिक जाँच होः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के महासचिव ने एक बयान में तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में स्टरलाइट कॉपर यूनिट को बंद करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस द्वारा गोलियाँ चलाए जाने की निंदा की है और साथ ही इस मामले की न्यायिक जाँच की मांग भी की है, जिसमें लगभग 11 लोगों की मौत हो गई है।

''ऐसे सबूत मिल रहे हैं कि यह फायरिंग सोचे समझे तरीके से की गई, जिसमें प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे लोगों को असल निशाना बनाया गया था। जनता ने विरोध रैली निकालने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल किया। यहाँ पुलिस की ओर से बल के प्रयोग की कोई आवश्यकता नहीं थी। पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या पर जनता की सही और जायज़ चिंता को मानने और इस समस्या के हल के लिए ज़रूरी कदम उठाने के बजाय, क्रूर तरीके से बिना कोई चेतावनी दिये लोगों की हत्या करके तमिलनाडु सरकार ने अपने जनविरोधी रूझान का खुला प्रदर्शन किया है। हम इस मामले में न्यायिक जाँच और पीड़ितों के परिवार वालों के लिए मुआवज़े की मांग करते हैं। साथ ही हम यह भी मांग करते हैं कि स्टरलाइट कॉपर की तूतीकोरिन यूनिट को स्थायी रूप से बंद किया जाए, क्योंकि यह जनता और पर्यावरण दोनों के लिए खतरे का कारण है।''

दलितों और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर सरकार की आपराधिक लापरवाही

मुहम्मद अली जिन्ना ने देश में दलित व मुस्लिम विरोधी अत्याचार की हालिया घटनाओं को देखते हुए केंद्र व राज्य सरकारों की आपराधिक खामोशी और लापरवाही की भी निंदा की है।

देश के विभिन्न हिस्सों विशेषकर बीजेपी शासित राज्यों में मुसलमानों और दलितों के खिलाफ खौफनाक भीड़तंत्र की हिंसा और हत्या का एक नया दौर चल पड़ा है। गौरक्षा के नाम पर हालिया हमलों की दर्जनों घटनाओं में एक घटना 17 मई की है, जिसमें मध्य प्रदेश के सतना में एक भीड़ ने सिर्फ गौहत्या के ''शक'' में दो लोगों को बेदर्दी से पीटा, जिसके कारण एक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हत्यारों पर कार्यवाही से पहले मध्य प्रदेश पुलिस ने पीड़ितों के खिलाफ ही गौहत्या का मामला दर्ज किया। दूसरी घटना में 21 मई को गुजरात के राजकोट जिले में कचरा साफ करने से इनकार करने पर एक दलित जोड़े को बड़ी बेरहमी से हिंसा का शिकार बनाया गया। भीड़ ने पति को एक खम्बे से बांधकर लोहे की रॉड से इतना मारा कि उसकी मौत हो गई। इसी तरह पिछले महीने भारत बंद में हिंस्सा लेने की वजह से मेरठ में एक दलित युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। देश के अंदर ऐसा माहौल बना दिया गया है कि दलितों और अल्पंसख्यकों के लिए केवल उनकी पहचान ही इस बात के

लिए काफी है कि उन्हें सरेआम जान से मार दिया जाए। महासचिव ने कहा कि बीजेपी की केंद्रीय व राज्य सरकारें लगातार ऐसे साम्प्रदायिक अपराधियों को सुरक्षा प्रदान कर रही हैं, ऐसे में देश की सेक्युलर ताकतों का कर्तव्य है कि वे लोकतांत्रिक तरीके से इसका प्रतिरोध करें।

जेएनयू में ''इस्लामी आतंकवाद'' कोर्स, शिक्षा में जबरन राजनैतिक हस्तक्षेप

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के महासिचव एम. मुहम्मद अली जिन्ना ने प्रस्तावित तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय अकेडमिक कौंसिल द्वारा स्वीकृत ''इस्लामी आतंकवाद'' कोर्स की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया है।

इस विवादित विषय पर जेएनयू में शुरू किया जाने वाला कोर्स शिक्षा को साम्प्रदायिकता के रंग में रंगने की मोदी सरकार की योजना का हिस्सा है। जब से मौजूदा सरकार सत्ता में आई है, इसने देश की शिक्षा प्रणाली में हस्तक्षेप, इतिहास को कथाओं और कहानियों से बदलने और अंधविश्वास को विज्ञान के साथ मिलाने का काम शुरू कर दिया है। यह प्रस्तावित कोर्स लगभग 17 करोड़ भारतियों के धर्म इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ता है। यह हिंदुत्व के विभाजनकारी नज़रिये की पैदावार है और इससे आने वाले कई सालों तक राष्ट्रीय मानसिकता में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति और ज़्यादा भेदभाव, विभाजन और दूरी ही पैदा होगी। मुहम्मद अली जिन्ना ने शिक्षा उत्पाद में इस प्रकार के राजनैतिक हस्तक्षेप को कानूनी व अकेडमिक दोनों रूप से रोके जाने पर बल दिया।

डॉ० मुहम्मद शमून
डायरेक्टर, जनसंपर्क
पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
मुख्यालय, नई दिल्ली